परिामडि नर्िमाण में नील नदी की वलिुप्त शाखा का महत्त्व

[स्रोत: द हिंदू]

हाल ही में एक अध्ययन में नील नदी की एक प्राचीन शाखा की खोज की गई है, जो मस्रि के परिामडिों तक श्रमकिों और सामग्रयिों के परविहन में सहायता करती थी, जो अब आधुनकि परदृश्यों के नीचे दफन हो गई है।

- शोधकर्त्ताओं ने अब लुप्त हो चुकी **नील नदी की अहरामत शाखा** के मार्ग का **पता लगाने के लयि उपग्रह चत्रिों, हाई-रज़िॉल्यूशन डजिटिल उन्नयन डेटा और ऐतहिासकि मानचत्रिों** सहति प्रौद्योगकियिों का उपयोग कयिा।

अध्ययन की मुख्य वशिेषताएँ क्या हैं?

- **लशित (गांव) से गीज़ा (शहर)** तक एक पूर्व में अज्ञात नील चैनल, **अहरामत शाखा** का रहस्योद्घाटन, परिामडि नर्िमाण के लयि **श्रमकिों** और सामग्रयिों के **परविहन में इसकी महत्त्वपूर्ण** भूमकिा को उजागर करता है तथा उनके भौगोलकि एवं **तार्ककि पहलुओं** के संबंध में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- अध्ययन से पता चलता है कि [जलवायु परविर्तन], [टेक्टोनकि परविर्तन] व मानवीय गतविधियिों जैसी प्राकृतकि घटनाओं के साथ-साथ [मरुस्थलीकरण]और [वर्षा में परविर्तन] जैसे पर्यावरणीय कारकों ने समय के साथ नील नदी के परदृश्य एवं शाखाओं को बदल दयिा है, जसिसे क्षेत्र की पारस्थितिकी और जल प्रणालयिाँ प्रभावति हुई हैं।

मस्रि के परिामडिों के संबंध में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **मस्रि के परिामडि** वशिाल, प्राचीन पत्थर की संरचनाएँ हैं, जो पुराने साम्राज्य (लगभग 2700-2200 ईसा पूर्व) और मध्य साम्राज्य काल (2050-1650 ईसा पूर्व) के दौरान **फराओ (प्राचीन मस्रि के शासकों)** तथा महत्त्वपूर्ण हस्तयिों की **कब्रों** के रूप में बनाई गई थीं।
- मस्रि में 118 से अधकि परिामडिों की पहचान की गई है, लेकनि सबसे प्रसद्धि **गीज़ा के तीन परिामडि** हैं:
  - **गीज़ा का महान परिामडि: प्राचीन वशि्व के सात अजूबों** में से सबसे पुराना और अब तक का सबसे बड़ा परिामडि। इसका नर्िमाण **फराओ खुफु (चेओप्स)** के लयि कयिा गया था।
  - **खफरे (शेफ्रेन) का परिामडि:** यह परिामडि अपने अधकि तीखे कोण तथा पास में स्थति मानव सरि और सहि के शरीर वाली वशिाल मूर्ति की उपस्थतिि के कारण महान परिामडि से बड़ा प्रतीत होता है।
  - **मेनकौर का परिामडि (माइसेरनिस):** गीज़ा के तीन मुख्य परिामडिों में से यह सबसे छोटा है, जसिे **फराओ मेनकौर** के लयि बनाया गया था।

नील नदी:

- नील नदी भूमध्य रेखा के दक्षणि में बुरुंडी, अफ्रीका से नकिलती है।
- पूर्वोत्तर अफ्रीका से उत्तर की ओर बहती हुई नील नदी **भूमध्य सागर** में अपने अंतमि बदिु पर पहुँचने से पूर्व मस्रि तथा 10 अन्य अफ्रीकी देशों, जनिमें **बुरुंडी, तंज़ानयिा, रवांडा, कांगो लोकतांत्रकि गणराज्य, केन्या, युगांडा, सूडान, इथयिोपयिा और दक्षणि सूडान** शामलि हैं, से होकर गुजरती है।
- नील नदी **तीन प्रमुख धाराओं** से मलिकर बनी है- **ब्लू नील, अटबारा** जो इथयिोपयिा के ऊँचे इलाकों से बहती हैं तथा **व्हाइट नील** जसिकी मुख्य धाराएँ वक्टिोरयिा और अल्बर्ट झीलों में जाकर गरिती हैं।
- नील नदी **वशि्व की सबसे लंबी नदी** है, जसिे अफ्रीकी नदयिों का पतिा कहा जाता है।

//

UPSCसविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. नमि्नलखिति युग्मों पर वचिार कीजयि : (2020)

नदी		**में जाकर मलिती है**
1. मेकोंग	-	अण्डमान सागर
2. थेम्स	-	आयरशि सागर

3. वोल्गा - कैस्पियन सागर
4. ज़म्बेज़ी - हिंद महासागर

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 3 और 4
(d) केवल 1,2 और 4

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lost-nile-branch-key-to-pyramid-construction